कुलपति प्रोफेसर राजकुमार के गणतंत्र दिवस भाषण के कुछ बिंदु

- सबसे पहले मैं देश के 70 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर आपको बधाई और नव वर्ष 2019 के लिए शुभकामनाएं देना चाहूंगा।
- यह अवसर है कि एक ओर जहां हम अपने गौरवशाली अतीत और महान लोकतांत्रिक देश की परंपराओं को याद करके उन पर गर्व करें वहीं दूसरी ओर भविष्य में उन्हें और आगे व ऊंचा ले जाने का संकल्प और प्रतिज्ञा भी करें
- हम सब पंजाब विश्वविद्यालय जैसे एक महान संस्थान का हिस्सा हैं जिसकी विरासत पर हमें गर्व होना चाहिए। आप जानते ही हैं कि यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट रैंकिंग 2019 में पंजाब विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय घोषित किया गया है। **शिखर पर पहुंचने से भी ज्यादा कठिन शायद शिखर पर टिके रहना होता है**। अपने विश्वविद्यालय की शान और मान को बनाए रखने के लिए हरेक विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी को योगदान देना होगा। इस परिवार का मुखिया होने के नाते मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं आप सबके साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस मिशन में आपके साथ हूं। विश्वविद्यालय के हर वर्ग के कल्याण के लिए मैं कुलपति के रूप में प्रतिबद्ध हूं।
- हमारे विद्यार्थी हमारे लिए सबसे बढ़कर हैं। उनके हाथ में ही इस विश्वविद्यालय और देश के भविष्य की बागडोर रहनी है। हमारे विद्यार्थी हमेशा हर क्षेत्र में सबसे आगे रहे हैं और उन्होंने विश्वविद्यालय का नाम ऊंचा किया है। उनकी उपलब्धियों पर हमें नाज है। हमारे एनएसएस कैडेट श्याम आज ही नई दिल्ली में हो रही गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हो रहे हैं।
- **मैंने कुलपति का कार्यभार संभालने के बाद पिछले 6 महीनों में विद्यार्थियों से लगातार सीधा संवाद स्थापित किया है** और उनकी समस्याओं को समझा है। हमारे होस्टलों को लगातार बेहतर बनाने के लिए हम प्रयासरत है और आज एक फर्क महसूस किया जा सकता है। **हमने विश्वविद्यालय कैंपस को देश का सबसे सुंदर कैंपस बनाने का लक्ष्य रखा है** और स्वच्छता मिशन में हम सबको पूरी शिद्दत से जुटने की जरूरत है
- छात्रों की तरह ही शिक्षकों व कर्मचारियों के साथ भी सीधा संवाद करने में मेरा पूरा विश्वास है। हर विभाग में जाकर वहां की कमजोरियों और ताकत को जानने के लिए मैं प्रयासरत हूं। हम हर विभाग के Thrust area की पहचाने करके उसे आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। विभिन्न विभागों से मुझे पूरा सहयोग मिल रहा है और वहां नए प्रोजेक्ट लाने और नयी चेयर्स की स्थापना के प्रस्ताव बनाए जा रहे हैं

- रिसर्च हमारा मजबूत पक्ष रहा है, हमें उसे और आगे बढ़ाने के साथ साथ समाज के बीच और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। हमने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है और बाहर के कई विश्वविद्यालयों के साथ हमने अनुबंध किए हैं। आने वाले समय में उसके सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है।
- **पंजाब विश्वविद्यालय के एलूमनी बेस को भी पूरा उपयोग में लाने की सख्त जरूरत है**। हमारे एलूमनी हर क्षेत्र में अपनी पहचान कायम कर चुके हैं। हमारे एक पूर्व विद्यार्थी सुनील अरोड़ा ने हाल ही में देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त की जिम्मेदारी संभाली है। हमारी पूरी कोशिश रहेगी कि हमारे एलूमनी भी विश्वविद्यालय की तरक्की में कदम से कदम मिलाकर हमारे साथ चले।
- **केंद्र सरकार की नए निर्णय के तहत सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर तबकों को विश्वविद्यालय में आरक्षण देने के लिए हमने तैयारी शुरू कर दी है**। हमें केंद्र से भी इसके लिए जरूरी मदद मुहैया कराए जाने का पूरा भरोसा है।
- मैंने पिछले 6 महीने में विश्वविद्यालय के आर्थिक संकट को लेकर लगातार यूजीसी और एमएचआरडी के साथ साथ केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और पंजाब सरकार के साथ संपर्क साधा है । मुझे विश्वास है कि इस संबंध में भी हमें अपेक्षित सफलता जरूर मिलेगी।

हमारे विश्वविद्यालय के युवा शिक्षकों के पीएचडी इक्रीमेंट का लंबित मुद्दा हम आखिरकार हल करने में सफल हुए हैं

- एमएचआरडी ने रूसा के तहत 5 करोड़ रूपए लड़कियों के नए हास्टल के निर्माण के लिए और 7 करोड़ रूपए फैकल्टी विकास के लिए स्वीकृत किए हैं।
- एमएचआरडी ने पंजाब विश्वविद्यालय को सेंटर फार एकेडेमिक लीडरशिप एंड एजूकेशनल मैनेजमेंट की स्थापना के लिए 6.63 करोड़ रूपए का अनुदान देने को मंजूरी दी है।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय के खेलो इंडिया टेलेंट डेवलेपमेंट कार्यक्रम के तहत हमारे विश्वविद्यालय को तैराकी के लिए मान्यता मिली है जबकि इसी कार्यक्रम में दशमेश कालेज, बादल को निशानेबाजी के लिए चुना गया है जहां की शूटर अवनीत कौर सिद्धू अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी है।
- यदि विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाले अपने विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों की पूरी फेहरिस्त पढ़ूंगा तो बहुत वक्त लग जाएगा लेकिन उनमें से प्रत्येक का अपना महत्व और योगदान है इसलिए सबको बधाई देते हुए मैं यह आशा करता हूं कि उनकी उपलब्धियां बाकी सबको भी और बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करेंगी।

- आज के गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में शामिल कैडेटस, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए बच्चों, परेड में शामिल सुरक्षा कर्मिय़ो को भी मैं बधाई और धन्यवाद देना चाहूंगा।
- ऐसा नहीं है कि हमारी राह में मुश्किले नहीं हैं। हम सब जानते हैं कि विश्वविद्यालय पिछले कुछ सालों में किन कठिन परिस्थितियों से गुजरा है। मैं अब उनके कारणों में जाना भी नहीं चाहता। बस आप सबको इतना ही भरोसा देना चाहता हूं कि मुझे आपकी हर दिक्कत की जानकारी है और उनके हल में मेरी ओर से कोई कोर कसर नहीं रहेगी।

  वक्त आने दे बता देंगे तुझे ऐ आसमान,
  हम अभी से क्या बताएं क्या हमारे दिल में है(बिस्मिल अजीमाबादी)

जय हिंद